प्रेस-विज्ञप्ति **28/11/2015**

भारत सरकार द्वारा गठित एम्पावर्ड कमेटी द्वारा प्रस्तावित जी.एस.टी पर चर्चा-परिचर्चा

दिनांक 28 नवम्बर, 2015 को प्रातः 11:00 बजे से मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश के सर पदमपत सिंघानिया सभागार में प्रस्तावित जी.एस.टी. पर एक चर्चा-परिचर्चा का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में भारत सरकार द्वारा गठित एम्पावर्ड कमिटी द्वारा प्रस्तावित जी.एस.टी. के व्याख्या के लिए मुख्य वक्ता श्री बी.बी.अग्रवाल, मुख्य आयुक्त, जी.एस.टी., सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम्स, नई दिल्ली एवं श्री उपेन्द्र गुप्ता, आयुक्त, सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम्स, नई दिल्ली, को आमंत्रित किया गया था।

डॉ. इंद्र मोहन रोहतगी, अध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, ने आमंत्रित मुख्य वक्ताओं श्री बी.बी.अग्रवाल और श्री उपेन्द्र गुप्ता तथा सभी आगंतुको का स्वागत दिया।

डॉ. रोहतगी जी ने सूचित किया की मर्चेंट्स चैम्बर में तीसरी बार जी.एस.टी. पर चर्चा का आयोजन हो रहा है। पूर्व में आयोजित हुई गोष्ठी में हमें यह भ्रान्ति थी कि जी.एस.टी. एक एकल प्रणाली व्यवस्था होगी, जिसको कि सी.ए.धर्मेन्द्र श्रीवास्तव जी ने अपने वक्तव्य में दूर किया था। पुनः आयोजित हुए सत्र में हमने जी.एस.टी. की. जटिलता को जाना।

श्री बी.बी.अग्रवाल, मुख्य आयुक्त, जी.एस.टी., सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम्स, नई दिल्ली ने सभी आगंतुको का धन्यवाद किया। श्री अग्रवाल सूचित किया की वह जी.एस.टी. पर श्री उपेन्द्र गुप्ता जी के साथ 1.5 से 2 साल से काम कर रहे है और यह प्रक्रिया किसी भी देश के सिर्फ एक बार ही लागू हो सकती है । श्री अग्रवाल जी ने बताया की करदाता एवं अधिकृत निकाय में सहयोग होना आवश्यक है । उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी सूचित किया की प्रस्तावित जी.एस.टी. प्रारूप पर सभी ड्राफ्ट्स रेवेन्यू विभाग की वेबसाइट (www.mygov.in) पर उपलब्ध है । श्री अग्रवाल ने सभी आगंतुको से यह भी आग्रह किया कि कृपया उन सारे ड्राफ्ट्स को विस्तृत पूर्वक अध्यन करें, तत्पश्चात हमारी रेवेन्यु विभाग की वेबसाइट या मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की ई.मेल- आई.डी पर अपना सुझाव प्रेषित कर सकते है।

श्री अग्रवाल ने यह भी आश्वस्त की भारत सरकार द्वारा गठित एम्पावर्ड कमिटी द्वारा प्रस्तावित जी.एस.टी. प्रारूप को आप सबके सुझावों को ध्यान में रखकर ही पारित किया जाएगा।

श्री उपेन्द्र गुप्ता, आयुक्त, सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम्स, नई दिल्ली, ने कहा कि प्रस्तावित जी.एस.टी. प्रारूप को लेकर अभी भी कुछ भ्रान्तिया है। श्री गुप्ता जी ने भ्रान्तियों को पावर-पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से दूर ककरने का यथा-सम्भव प्रयास किया।

श्री गुप्ता जी ने अपने प्रेजेंटेशन में कई सारे बिन्दुओ जैसे प्रस्तावित जी.एस.टी. का प्रारूप, वैट से जी.एस.टी. की तुलना एवं जी.एस.टी के मुख्य चार व्यवस्थाओ जैसे पंजीकरण, पेमेंट, रिटर्न एवं रिफंड प्रणालियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री गुप्ता जी के प्रेजेंटेशन को सभी अतिथियों ने सराहा।

श्रीमती वंदना जैन, कमिश्नर, कस्टम्स एंड एक्साइज, कानपुर, ने सूचित किया कि जी.एस.टी की भ्रान्ति को दूर करने के लिए अधिक से अधिक गोष्ठियों का आयोजन होना चाहिए । हम सभी (ट्रेड और विभाग) को एक सकारात्मक सोच और समन्वय के साथ आगे आना चाहिए तभी जी.एस.टी. प्रणाली सुचारू रूप से चल सकती है और हमारे देश का विकास सम्भव है ।

श्री नरेन्द्र शर्मा, चेयरमैन, ट्रेड कमिटी, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, ने सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया । श्री शर्मा जी ने प्रस्तावित जी.एस.टी. प्रारूप को सकारात्मक कदम बताते हुए सूचित किया इसमें उपभोक्ता के लिहाज से कोई भी सरलीकरण नहीं है, कृपया सम्बंधित अधिकारी इस बात पर अपनी बात केन्द्रित करें । श्री शर्मा जीने करदाता की कठिनाईयों को समझने तथा निराकरण करने के लिए जी.एस.टी. काउन्सिल को सुझाव दिया ।

श्री शर्मा जी ने मर्चेंट्स चैम्बर की ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से आये हुए सरकार द्वारा गठित एम्पावर्ड कमिटी के मुख्य वक्ताओं को ज्ञापन प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम का संचालान सी.ए. संतोष कुमार गुप्ता, अधिवक्ता अमित अवस्थी, तथा पस्नोत्तर काल का संचालन सी.ए. धर्मेन्द्र श्रीवास्तवा जी ने किया।

प्रश्नोत्तर काल में प्रतिभागियों ने आमंत्रित मुख्य-वक्ताओं के द्वारा जी.एस.टी. पर अपने संशय को दूर किया।

श्री पीयूष अग्रवाल, चेयरमैन, सी.आई.आर.सी.(सेंट्रल इंडिया रीजनल काउन्सिल) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

उपस्थित गणमान्य: श्री ए. के. सिन्हा. सचिव,एम.सी.यू.पी, श्री टीकम चन्द्र सेठिया, सदस्य, एम.सी.यू.पी.श्री शेष नारायण त्रिवेदी, मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश के सदस्यगण, विभिन्न संगठनो के प्रतिनिधि तथा उद्यमीगण, व्यापारीगण उपस्थित थे ।

धन्यवाद
मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश